



## School of Studies in Social Work Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya

Bastar, Jagdalpur, District-Bastar, Chhattisgarh 494001  
Ph-07782-229224, Fax-07782-229037, [www.bvvjdp.ac.in](http://www.bvvjdp.ac.in)

-// कार्यक्रम प्रतिवेदन //-

### "विकसित भारत @ 2047 के अंतर्गत Intellectual Property Right पर कार्यक्रम का आयोजन"

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के व्यवसायिक प्रबंधन भवन में, समाज कार्य अध्ययनशाला द्वारा दिनांक 20 दिसम्बर 2023 को विकसित भारत @ 2047 के अंतर्गत प्दजमससमबजनंस च्तवचमतजल त्पहीज पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय जी, प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. अभिषेक बाजपेई, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) मोहन सोलंकी सहायक प्रध्यापक विधि संकाय पी.जी. कॉलेज धरमपुरा जगदलपुर एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, समाज कार्य अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति महोदय जी, प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, ने विकसित भारत @ 2047 के प्रति जागरूक करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत और जीडीपी में बएोतरी के लिए जरूरी है कि हम अपने सृजन का पेटेंट करवाएं। अगर हम अपने काम को पेटेंट करवा लेंगे तो वह कमर्शियलाइज हो जाएगा और इससे आपके साथ ही देष की जीडीपी को भी फायदा होगा। देश की इकॉनामी को 30 ट्रिलियन का बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर काम करें। इससे देश विकसित भारत का स्वरूप लेगा, इसलिए बौद्धिक संपदा का पेटेंट जरूरी है। आपने कहा कि हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आपका सृजन अगर औरों से अलग है तो उसका पेटेंट करवा लें। इस दिशा में हम अगर पूरी इमानदारी के साथ काम करते हैं तो विकसित भारत @ 2047 का लक्ष्य जरूर पूरा होगा।

मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) मोहन सोलंकी सहायक प्रध्यापक विधि संकाय पी.जी. कॉलेज धरमपुरा जगदलपुर, ने छात्रों को इंटलेक्युअल प्रॉपर्टी राइट्स पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी।

Q/Hrao  
SOS Social '91  
S.M.K.V.,  
Jagdalpur, Dist.-Bastar, Chhattisgarh

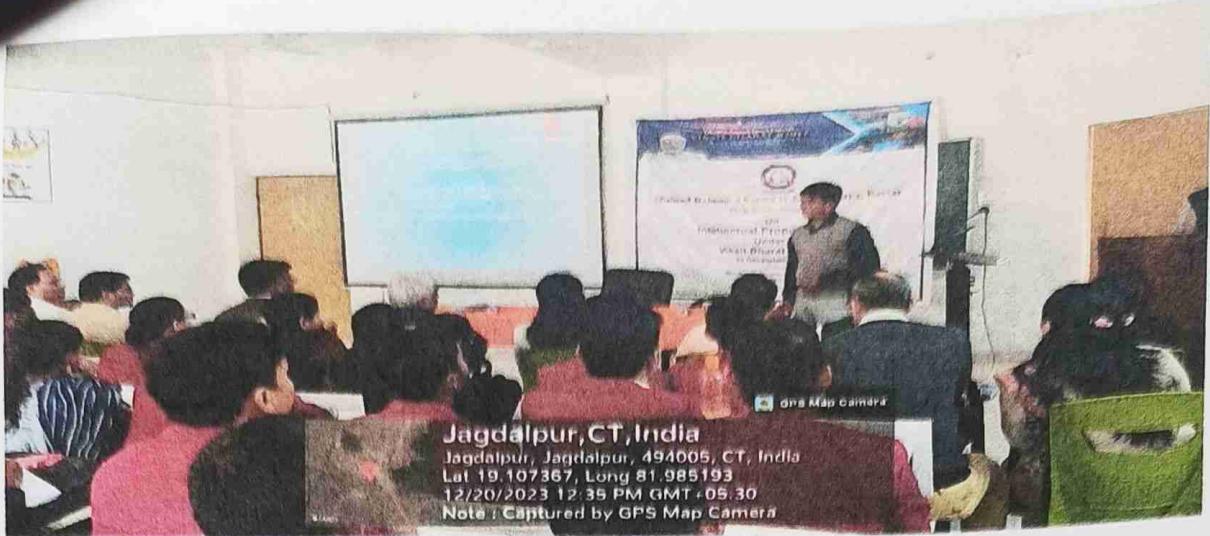
उन्होंने कहा कि व्यक्ति जिस चीज को सृजित करता है उस पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्होंने कॉपीराइट, ड्रेड मार्क, व्यापार रहस्य, प्राकृतिक न्याय जैसे विंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। अगर आप पेटेंट को बेहतर तरीके से समझ लेंगे तो आपको भविष्य में व्यक्तिगत लाभ तो होगा ही साथ ही आपके काम का लाभ देष को मिलेगा।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, समाज कार्य अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष ने कहा कि हर व्यक्ति को बौद्धिक संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। इंटलेक्चुअल राइट्स को युवाओं को समझना होगा। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। ज्यादा से ज्यादा पेटेंट होने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, एनएसएस के समन्वयक डॉ. डीएल पटेल, समाज कार्य अध्ययनशाला से डॉ. तूलिका शर्मा, श्री पुंकेश्वर वैद्य, अलग-अलग अध्ययनशालाओं से श्रीमती रशिम देवांगन, डॉ. भूपेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. नीलेश कुमार तिवारी, श्री दिलेश जोशी, डॉ. राजकुमार, श्री आकाश मिश्रा, सुश्री क्षमा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव, माननीय कुलपति जी का उद्बोधन



डॉ. मोहन सोलंकी, मुख्य वक्ता, की प्रस्तुती



कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

देविक  
मार्केट

बस्तर भास्कर 21-12-2023

## सेमिनार • बस्तर विवि में इंटलेक्युअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर की गई चर्चा अपने काम को कॅमर्शियल बनाएं : कुलपति

मार्केट न्यूज़ | जगदलपुर

बस्तर विविधालय के समाज कार्य अध्ययन समिति ने सुप्रियकार को विकासित भारत 2047 के तहत इंटलेक्युअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर एक विवरणीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के मूल्य अंतिम बुलावाले प्रोफेसर डॉ. मोहन सोलंकी द्वारा दिया गया था।

मूल्य वक्ता के रूप में शासकीय काकरीय मार्गदर्शन विविधालय जगदलपुर के विवि संकाय के समावेश प्राच्यवाक्य डॉ. मोहन सोलंकी उपचारक थे। कुलपति ने छान्नों को संवेदित करते हुए देशभक्ति के प्रमुख और अर्थव्यवस्था के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वक्ता कि अपनी किएर्टिविटी का मैट्टर करना कि अपनी किएर्टिविटी का मैट्टर करना जरूरी है। हम जो भी काम



करें उसका कार्यक्रमितान होना चाहिए। अप जो काम करते हैं जो औरों से अस्त है तो उसका मैट्टर करता है। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने मैट्टर से होने वाले अर्थव्यवस्था के बारे में जानकारी दी और वक्ता कि जब तक अप अपने काम को कार्यक्रमित करते रहते, उसका सुन्दरता लियों ने कहा कि हर व्यक्ति को बढ़िया संस्कृति की सुखा जहरी है। इंटलेक्युअल राइट्स को मूल्यांकित करना मैट्टर होगा।

भी यही है कि अप इंटलेक्युअल प्रॉपर्टी राइट्स का है, उसे समझ सके और उसके बाद यह के मैट्टर पर काम कर सकें। अब इस दिनों में हम पूरी ईंटरनेशनल के साथ काम करते हैं तो किएर्टिविटी भारत 2047 का लक्ष्य जस्ता पूरा होगा। कार्यक्रम संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. सुन्दरता लियों ने कहा कि हर व्यक्ति को बढ़िया संस्कृति की सुखा जहरी है। इंटलेक्युअल राइट्स को मूल्यांकित करना मैट्टर होगा।

डॉ. मार्क और व्यापार के रहस्य की दी जानकारी

कार्यक्रम के मूल्य वक्ता डॉ. मोहन सोलंकी ने बहुत किया व्यापक विषय चौकों को सुनित करता है उस पर उनका अधिकार हो जाता है उन्होंने कार्यक्रम, डॉ. मार्क, व्यापार संघ, प्राकृतिक व्याप जैसे विद्युतों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विविधालय के डॉ. मृदुल केत्रेश्वर डॉ. आदेश मृदुल, एनएसएस के सम्बन्धक डॉ. डीएस पटेल, अर्थव्यवस्था से डॉ. तुलिका शर्मा, पूर्वेन्द्र देवी समेत अलग-अलग विभागों के प्राच्यवाक्य और छान्न-छानरए पौज्ह होंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं अधिकार प्रदर्शन डॉ. रानी मैथू ने किया।

न्यूजपेपर

Page 3 of 4

Head  
Work  
So  
Jagdalpur, 21-12-2023, Bastar, Chhattisgarh

क्रिएटिविटी को लायें पेटेंट के दायरे में : कुलपति  
विकसित भारत (२०१२) से

विकसित भारत @ 2047 के तहत सोनी-नार का विद्युत आयोजन सामग्रिक कार्य लिपाण द्वारा आयोजित कार्यशाला में ही कई जानकारियाँ

नवधारा रिपोर्ट। जागरूकता

शाहीद महेंद्र कर्मा निवासनिधारण के सम्बन्ध में अधिकारी निवासनिधारण को नियन्त्रित पारा अवृत्त गया है। वे जुलाई को नियन्त्रित पारा आई राहडम्स वाले 2047 के तहत इंटेलेक्चुअल पारा आई राहडम्स विषय पर पक्ष एवं विवेचन दीखवाए वह अधिकारी निवासनिधारण के प्रभाग अधिकारी हैं। कर्मा कर्मा के प्रभाग अधिकारी हैं। मध्य विवादों के द्वारा मनोन्मय लीबीवाटन थे। मध्य विवादों के द्वारा लगभग भी पीड़ी कर्मा जगद्वापाक डा. योहन मोलवी के महावार प्राणदापक डा. योहन मोलवी के उपचित्र रहे।

कार्यक्रम के मूल अधिकारी कुलपति थे डॉ. एमोन इंडियन श्रीवास्तव ने छात्रों के सम्बोधन करते हुए देशभर के प्रधान और चार्चिट पेंटेर आदि वर्गों में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अपनी किपरिषिटिवियों का पेंटेर कामाना जोखी है। इस जो भी काम करे तो कामियों द्वारा देश द्वारा चाहिए। आप जो काम कर रहे हैं तो और तो देश का है। तभी उपर्युक्त वर्गों का साथ ले। फॉकेटर लाभ के बारे में पेंटेर से होने वाले आधिकारिक लाभ के बारे में



एर व्याधित की शोषण संघर्ष की सुरक्षा जरूरी

कार्यक्रम संचयन वा वितरण का उपकारण है। इसका लाभ नियती ने जल्द किए हुए अवधि की विशेषता संभवतः विधि द्वारा अन्तर्गत ही है। इटलीना विधि में वितरण का लाभवाली की विधानांश होता है। इसका अन्तर्गत विधि द्वारा अन्तर्गत विधि की विधानांश होता है। इसका अन्तर्गत विधि के बारे में विवरण आवश्यक है। इसके समानांश है।

**कॉमीटीम एवं प्रकार के बारे में दी जानकारी**

प्राप्तिकारक एवं कार्यकारी विधि के द्वारा नियन्त्रित होता है। इसके अलावा विभिन्न ग्रामों के बीच सम्बन्धों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विधियाँ उपलब्ध हैं।

जानकारी दी और कहा कि जब तक आप अपने काम को कम्पियुटराइज़ करने करेंगे, उसका लाइसेंस फ्रॉम आपको नहीं मिल पायगा। उन्होंने न कहा कि यह स्थितियां के आधार पर कानून विभाग भी यही कहे जा सकते हैं कि आप हालोक्युलर प्राइवेट ग्राउंड के हैं, उसे मालिक नहीं और उसके लाभ नहीं के परे रख रहे। आप इसका बहुत हम प्रतीक्षणदारी के साथ काम करते हैं। तो

नवभारत न्यूज पेपर

**‘इंटलेक्युअल राइट्स का पड़ेगा भारत की अर्थव्यवस्था पर असर’**

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com



जगदलपुर रहां हमेह कम  
विश्वविद्यालय के मयाज कानू  
अध्यनताता ने बुधवार के  
विकास भरत @ 2027 के तहसील  
इलट्टुलंग प्रैसीट उद्घाटन विधि  
एक दिव्यामय संवेदन का  
आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य  
आठवीं कृष्णपति प्रोफेसर डॉ. मयाज  
कुमार श्रीवाल्मीकि थे। मुख्य वकार  
कालिका धर्मसुरा  
सकार के महाप्रभु प्रधानमंत्री डॉ.  
मोहन मातेको थे। व्यापार उद्घाटन  
देश द्वारा कार्यक्रम संयोजक औं  
विधायाच्छादा डॉ. मुकुतारिकीने कहा  
कि हाँ व्यक्ति को वैदिक वर्षता  
सुनकर जरूरी है। इलट्टुलंग  
राजस्व को युवा ओं को समझना हागा

इसका अमर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। ज्यादा से ज्यादा पेटेंट होने से देश की अर्थव्यवस्था की पर्यावरणीय मिलेगी। कृषिपति प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार अंग्रेजी-वाले ने छात्रों से कहा कि विकासत मारत और जीवीप्रकार में बदलतारी के लिए ज़रूरी है कि हम अपने युवजन का पेटेंट करवाएं। अगर अपने काम को पेटेंट करवा लेंगे तो कम्पनी-संस्थान इसी जापानी और अमेरिकी आपके सामने हो देश की ज़रूरीतों को

भी कायादा होगा। रेस की इनामों को 30 ट्रिलियन का बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर काम करो। उसमें दोस्रा विकासित भारत का स्थान लगा, तीसरा औलंपियन स्पॉट का पटेट जलाना है। उठने कहा कि हम जो भी काम करें उसका डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए। आपका मुझन अगर औरों से अलग है तो उसका पटेट करना चाहिए। उठने कहा कि अगर आप दिल्ली में हैं तो पुरी नईदरोगों के स्थान काम करते हैं तो विकासित भारत

@2047 का लक्ष्य जहरा पुरी होगा। मुख्य बक्ता डॉ. मोहन मोलको ने छात्रों को डैलेक्टिकल प्रॉफ़ेशनल ग्रॉड्स एवं पैकेटों के स्थान में जानकारी दी। उठने कहा कि अगर आप चीज़ को सुनित करता है उस पर उम्मका अधिकार हो जाता है। उठने का पॉर्टफॉलियो, ड्रेड मार्क, व्हिपार रहस्य, प्रक्रियातिक न्याय जैसे बिडों पर काम करना चाहिए। उठने कहा कि अगर आप एपेंट का बेहतर तरीके से समझ लेते हैं तो आपको खूबियाँ में

यक्तिगत लापता होगा ही मायद ही आपके काम का लाप देस को बेलना। कार्यक्रम में प्रमुख रूप में वस्त्रविद्यालय के डॉ डॉर्ट भूति प्रिया, वस्त्रविद्यालय के संस्थापक डॉ. डॉर्ट डेल, अध्ययनशाला में डॉ. तुलिका दासी, पुकारनगर बैच शपेट जलनगर जिला अध्ययनशाला के प्राच्यवादी छात्र-छान्ना और योद्धा रहे।

विद्यकाम का संस्थान एवं आपका दरबन डॉ. राणी मध्ये न किया।

पत्रिका न्यूज पेपर